सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

इकाई–1

1. देशी ताल पद्धति का अध्ययन।
2. मार्ग तथा देशी ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
3. कायदा एवं रेला के रचना एवं विस्तार सिद्धांत का विवेचन।

इकाई–2

1. 16वी शताब्दी से वर्तमान तक के संगीत की ऐतिहासिक जानकारी।
2. निम्नलिखित ग्रंथकारों का परिचय।
   पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, स्वाति, मतंग, भरत, शारंगदेव, व्यंकटमखी, सवाई प्रताप सिंह।
3. पखावज एवं तंत्र वादन के घरानों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–3

1. नाट्यशास्त्र के आधार पर अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षरों का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत संबंधी किसी एक प्राचीन ग्रन्थ का विश्लेषणात्मक अध्ययन। (भरतकृत नाट्य शास्त्र, शारंगदेवकृत संगीत रत्नाकर, नारदकृत संगीत मकरंद, पार्श्वदेवकृत संगीत समयसार)

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय अवनद्ध एवं घन वाद्यों का ऐतिहासिक विवेचन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में ताल के महत्व का अध्ययन।
3. तबला वाद्य के निर्माण विधि का अध्ययन।

इकाई–5

1. कर्नाटक पद्धति का सामान्य परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।
3. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय :–
   पं. रामशंकर दास पागलदास पं. नाना पानस, पं. कुदऊ सिंह, उस्ताद गामे खाँ, उस्ताद आफाक हुसैन खाँ, उस्ताद अमीर हुसैन खाँ, पं. निखिल घोष।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

इकाई–1

1. विषम मात्रा के तालों का परिचय तथा ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना। (वसंत, रूद्र, मत्त, लक्ष्मी)
2. पंचम सवारी, एकताल, झपताल एवं रूपक तालों में विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–2

1. विषम मात्रिक तालों में विस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. विषम मात्रिक तालों के ठेकों को कुआड़, आड़ की लयकारियों में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

इकाई–3

1. 9 एवं 11 मात्रा में अविस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल एवं रूपक तालों में कायदा एवं पेशकार लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. दीपचन्दी एवं जत तालों में लग्गियाँ लिपिबद्ध करना।
2. दिये गये बोल समूहों से चौताल एवं सूलताल में तिहाईयाँ बनाकर लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. गत, परन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली, नाहक्का, रौ की सोदाहरण जानकारी।
2. एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं के क्रम का विस्तृत विवेचन।
3. दिये गये बोलों के आधार पर पाठ्यक्रम के तालों में टुकडे, मुखडे, तिहाईयाँ, परन आदि बनाकर उन्हें लिपिबद्ध करना।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	**80**	**100**	**33%**

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित विशम मात्रा के तालों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. पखावज के ठेकों को तबले पर पखावज वादन शैली अनुसार बजाना।
3. शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, सुगम संगीत आदि के साथ तबला संगति का अभ्यास।
4. पंचम सवारी ताल में स्वतंत्र वादन। (न्यूनतम 20 मिनिट)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला वादन की तकनीक
(Technic of Tabla Playing)
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	**80**	**100**	**33%**

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष किसी भी ताल में न्यूनतम 15 मिनिट लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
2. त्रिताल, एकताल एवं झपताल का द्रुत लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
1. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
2. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
7. तबला पुराण : पं. विजय शंकर मिश्र
8. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. एम. बी. मराठे
9. ताल वाद्य परिचय : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल